Date - 21.04.2020
Deptt - philosophy. B.A Part I
डा० राणा चन्द्र शेखर सिंह

चार्वाक दर्शन में ज्ञान प्राप्ति के स्रोत प्रायः समस्त भारतीय दर्शनों में ज्ञान के प्राप्ति के लिए कुछ स्रोत की चर्चा की गई है। चार्वाक दर्शन एक बहुत पुराना दर्शन है। चार्वाक दर्शन को भौतिक वादी दर्शन के नाम से भी जाना जाता है। चार्वाक के अनुसार जो भी हम इस संसार में देख रहे हैं वही सही है इसके अलावा ईश्वर, विश्व, आत्मा, स्वर्ग नरक सभी सही नहीं है। जो लौकिक है वही सही है।

चार्वाक को छोड़कर प्रायः समस्त दर्शन ज्ञान के चार स्रोतों को मानते हैं। ① प्रत्यक्ष ② अनुमान ③ उपमान ④ शब्द प्रमाण है। अब हम एक-एक प्रमाण की चर्चा करेंगे।

① प्रत्यक्ष प्रमाण - प्रत्यक्ष प्रमाण हम उस ज्ञान को कहते हैं जिस प्रमाण में हमारे आँख और वस्तु के बीच सीधा सम्पर्क होता है। अगर हम प्रत्यक्ष का विश्लेषण करते हैं तो प्रत्यक्ष दो शब्दों के मेल से बना है। प्रति + अक्ष = प्रत्यक्ष। इसमें प्रति का मतलब होता है सामने होता है और अक्ष का मतलब आँख होता है इसका सीधा मतलब जो हमारे आँख के सामने होता है वही प्रत्यक्ष कहलाता है।

② अनुमान - अनुमान को दूसरा ज्ञान प्राप्ति का स्रोत माना जाता है। अनुमान शब्द दो शब्दों के जोड़ के माध्यम से बना है अनु + मान ये दो शब्दों के संयोग से अनुमान बना है अनु का मतलब होता है पश्चात मान का अर्थ